भारत सरकार
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
भारत मौसम विज्ञान विभाग

प्रेस विज्ञप्ति
तारीखः 24 जून, 2025
जारी करने का समय: 1400 घंटे

विषय: i) 25 जून से उत्तर-पश्चिम भारत में भारी से बहुत भारी वर्षा के साथ वर्षा गतिविधि में वृद्धि।

ii) अगले 7 दिनों के दौरान मध्य, पूर्व और पूर्वोत्तर भारत के कई हिस्सों में भारी से बहुत भारी वर्षा गतिविधि जारी रहने की संभावना है, 24 जून को कोंकण, मध्य महाराष्ट्र, गुजरात क्षेत्र में अलग-अलग स्थानों पर अत्यधिक भारी वर्षा हो सकती है।

दक्षिण-पश्चिम मानसून (अनुलग्नक I):

- दक्षिण-पश्चिम मानसून उत्तरी अरब सागर के शेष भागों, पश्चिमी उत्तर प्रदेश के कुछ और भागों, हरियाणा, चंडीगढ़ के कुछ भागों, हिमाचल प्रदेश और जम्मू के शेष भागों तथा पंजाब के कुछ और भागों की ओर आगे बढ़ गया है।
- मानसून की उत्तरी सीमा 25.0°N/60.0°E, 25.0°N/65.0°E, 25.5°N/70.0°E, बाड़मेर, जोधपुर, जयपुर, आगरा, रामपुर, बिजनौर, करनाल, हलवारा और 33.0°N/70.5°E से होकर गुजर रही है।
- अगले 36 घंटों के दौरान राजस्थान, पंजाब, हरियाणा, पूरी दिल्ली और पश्चिमी उत्तर प्रदेश के शेष भागों में दक्षिण-पश्चिम मानसून के आगे बढ़ने के लिए परिस्थितियाँ अनुकूल हैं।

पिछले 24 घंटों का वास्तविक मौसम (22 जून, 2025 की 0830 IST तक) (अनुलग्नक II):

- उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में कुछ स्थानों पर भारी से बहुत भारी वर्षा तथा कुछ स्थानों पर अत्यंत भारी वर्षा दर्ज की गई; गुजरात क्षेत्र और कोंकण में कुछ स्थानों पर अत्यधिक भारी वर्षा तथा कुछ स्थानों पर अत्यंत भारी वर्षा दर्ज की गई।
- पूर्वी राजस्थान, उत्तराखंड, पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, मध्य महाराष्ट्र, अरुणाचल प्रदेश, असम और मेघालय में कुछ स्थानों पर भारी से बहुत भारी वर्षा दर्ज की गई; ओडिशा, कर्नाटक और मणिपुर में कुछ स्थानों पर भारी वर्षा दर्ज की गई ।
- मध्य महाराष्ट्र में अलग-अलग स्थानों पर 60-80 किमी प्रति घंटे की गति से तूफान के साथ तेज हवाएं, मराठवाड़ा, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, कोंकण, हिमाचल प्रदेश, हरियाणा, पश्चिम मध्य प्रदेश, पंजाब में अलग-अलग स्थानों पर 40-60 किमी प्रति घंटे की गति से तूफान।

विस्तृत मौसम विवरण के लिए अनुलग्नक II देखें।

मौसमी प्रणालियाँ, पूर्वानुमान एवं चेतावनी (अनुलग्नक III & IV देखें):

मौसम प्रणालियां:

- उत्तर प्रदेश के दक्षिणी मध्य भागों में एक ऊपरी हवा का चक्रवाती परिसंचरण मध्यम क्षोभमंडल स्तर तक फैला हुआ है, जो ऊंचाई के साथ दक्षिण की ओर झुका हुआ है।

- एक ट्रफ दक्षिणी उत्तर प्रदेश के मध्य भागों में चक्रवाती परिसंचरण से लेकर उत्तर-पश्चिम बंगाल की खाड़ी तक, पूर्वोत्तर मध्य प्रदेश, झारखंड और उत्तरी ओडिशा के पार निचले क्षोभमंडल स्तरों में फैली हुई है।
- एक ट्रफ पंजाब से उत्तरी बांग्लादेश तक, दक्षिणी उत्तर प्रदेश के मध्य भागों में चक्रवाती परिसंचरण के पार निचले क्षोभमंडल स्तरों में फैली हुई है।
- एक ट्रफ उत्तर-पूर्व अरब सागर से दक्षिणी उत्तर प्रदेश के मध्य भागों में चक्रवाती परिसंचरण तक निचले क्षोभमंडल स्तरों में फैली हुई है।
- एक ऊपरी हवा का चक्रवाती परिसंचरण दक्षिणी झारखंड और आसपास के क्षेत्र में निचले क्षोभमंडल स्तरों में मौजूद है।
- एक ऊपरी हवा का चक्रवाती परिसंचरण मध्य असम और आसपास के क्षेत्र में निचले क्षोभमंडल स्तरों में मौजूद है।
- एक ऊपरी हवा का चक्रवाती परिसंचरण पश्चिम-मध्य और आसपास के उत्तर-पश्चिम बंगाल की खाड़ी में, उत्तरी तटीय आंध्र प्रदेश और दक्षिणी ओडिशा तट के पास मध्यम क्षोभमंडल स्तरों में मौजूद है, जो ऊंचाई के साथ दक्षिण की ओर झुका हुआ है।

इन प्रणालियों के प्रभाव से निम्नलिखित मौसम की संभावना है:

पश्चिम भारत:

- अत्यधिक भारी वर्षा (>20 सेमी/24 घंटे) 24 जून को कोंकण, मध्य महाराष्ट्र, गुजरात क्षेत्र में अलग-अलग स्थानों पर संभावित है।
- अलग-अलग स्थानों पर बहुत भारी वर्षा 24-30 जून के दौरान कोंकण और गोवा, मध्य महाराष्ट्र, गुजरात क्षेत्र में और सौराष्ट्र व कच्छ में भारी वर्षा की संभावना है।
- हल्की/मध्यम वर्षा 24-30 जून के दौरान गुजरात राज्य, कोंकण और गोवा, मध्य महाराष्ट्र, मराठवाड़ा में अधिकांश/कई स्थानों पर संभावित है।

उत्तर-पश्चिम भारत:

- अलग-अलग स्थानों पर भारी वर्षा 24-30 जून के दौरान पंजाब, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, पश्चिमी उत्तर प्रदेश, राजस्थान में; 25-27 जून के दौरान जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुजफ्फराबाद में; 27-30 जून के दौरान पूर्वी उत्तर प्रदेश में संभावित है।
- बहुत भारी वर्षा 24-27 जून को उत्तराखंड में; 27 जून को पश्चिमी राजस्थान में; 24 व 27 जून को पूर्वी राजस्थान में; 25 व 26 जून को हरियाणा, पंजाब में; 25 व 27 जून को पश्चिमी उत्तर प्रदेश में; 25 जून को जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुजफ्फराबाद में संभावित है।
- हल्की/मध्यम वर्षा 24-30 जून के दौरान उत्तर-पश्चिम भारत में अधिकांश/कई स्थानों पर गरज, बिजली और 30-40 किमी/घंटा की गति वाली तेज हवाओं के साथ संभावित है।

पूर्वी और मध्य भारत:

- अलग-अलग स्थानों पर भारी वर्षा 24-28 जून के दौरान बिहार, झारखंड, ओडिशा, छत्तीसगढ़ में; 24 व 25 जून को विदर्भ में; 25-27 जून को गांगेय पश्चिम बंगाल में; 24, 25, 28 व 29 जून को उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में संभावित है।
- बहुत भारी वर्षा 24 जून को मध्य प्रदेश, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में; 28 जून को बिहार में; 26 जून को झारखंड में; 25 व 26 जून को ओडिशा में संभावित है।
- हल्की/मध्यम वर्षा 24-30 जून के दौरान अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, मध्य प्रदेश, विदर्भ, छत्तीसगढ़, गांगेय पश्चिम बंगाल, बिहार, झारखंड, ओडिशा में अधिकांश/कई स्थानों पर गरज, बिजली और 40-50 किमी/घंटा की गति वाली तेज हवाओं के साथ संभावित है।

उत्तर-पूर्वी भारत:

- हल्की/मध्यम वर्षा अगले 7 दिनों के दौरान उत्तर-पूर्वी भारत में कई/अधिकांश स्थानों पर गरज, बिजली और अलग-अलग स्थानों पर भारी से बहुत भारी वर्षा के साथ संभावित है।

दक्षिणी प्रायद्वीपीय भारत:

- ❖ अलग-अलग स्थानों पर भारी वर्षा 24-28 जून के दौरान केरल, कर्नाटक में; 27 जून को तटीय आंध्र प्रदेश और यनम में; 27 व 28 जून को तमिलनाडु में संभावित है।
- ❖ बहुत भारी वर्षा 24 जून को आंतरिक कर्नाटक में; 24-26 जून को तटीय कर्नाटक में संभावित है।
- ❖ तेज सतही हवाएं (40-60 किमी/घंटा की गति) 24-28 जून के दौरान कर्नाटक, तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, रायलसीमा, तेलंगाना में संभावित है।
- ❖ हल्की/मध्यम वर्षा 24-30 जून के दौरान केरल और माहे, लक्षद्वीप, तटीय कर्नाटक में कई/कुछ स्थानों पर; तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, तेलंगाना, आंतरिक कर्नाटक में अलग-अलग स्थानों पर गरज, बिजली के साथ बिखरी हुई वर्षा संभावित है।

ताप लहर चेतावनी:

- ❖ 24 जून को जम्मू संभाग में ताप लहर की स्थिति संभावित है।

मछुआरों के लिए चेतावनी:

मछुआरों को 22 से 26 जून 2025 तक निम्नलिखित क्षेत्रों में जाने से बचने की सलाह दी जाती है:

अरब सागर:

- मछुआरों को निम्नलिखित क्षेत्रों में जाने से बचने की सलाह:
  - ❖ 24 जून (दिन 1) को गुजरात तट के साथ और उसके पास।
  - ❖ 25-28 जून (दिन 2 से दिन 4) को दक्षिण गुजरात तट के पास।
  - ❖ 24 व 25 जून (दिन 1 और दिन 2) को कोंकण, गोवा तटों के लिए।
  - ❖ 26 व 27 जून (दिन 3 से दिन 4) को कोंकण, गोवा तटों के पास।
  - ❖ 24-27 जून (दिन 1 से दिन 3) को कर्नाटक तट के साथ और उसके पास।
  - ❖ 26 जून (दिन 3) को केरल तट के साथ और उसके पास।
  - ❖ 24-29 जून (दिन 1 से दिन 5) को सोमालिया तट और आसपास के समुद्री क्षेत्र, ओमान और आसपास के यमन तट और आसपास के समुद्री क्षेत्र, मध्य और आसपास के उत्तरी, दक्षिणी अरब सागर में।
  - ❖ 24 जून (दिन 1) को उत्तर-पूर्व अरब सागर के कुछ हिस्सों में।
  - ❖ 26 जून (दिन 3) को लक्षद्वीप क्षेत्र में।

बंगाल की खाड़ी:

- मछुआरों को निम्नलिखित क्षेत्रों में जाने से बचने की सलाह:
  - 24 जून (दिन 1) को मध्य बंगाल की खाड़ी के अधिकांश हिस्सों में, उत्तरी आंध्र प्रदेश तट के साथ और उसके पास।
  - 25 व 26 जून (दिन 2 और दिन 3) को ओडिशा और पश्चिम बंगाल तटों के साथ और उसके पास।
  - 25 जून (दिन 2) को मध्य बंगाल की खाड़ी के कई हिस्सों में।
  - 28 जून (दिन 5) को मध्य बंगाल की खाड़ी के कुछ हिस्सों में।
  - 26 जून (दिन 3) को दक्षिण-पश्चिम बंगाल की खाड़ी के कुछ हिस्सों में।
  - 27 व 28 जून (दिन 4 और दिन 5) को मन्नार की खाड़ी में।
  - 24 जून (दिन 1) से अंडमान सागर में।

- उपरोक्त क्षेत्रों और तिथियों में मछली पकड़ने की गतिविधियों को पूरी तरह से निलंबित करने की सलाह दी जाती है।

ii. 24 जून से 27 जून, 2025 के दौरान दिल्ली/एनसीआर में मौसम की स्थिति और पूर्वानुमान (अनुलग्नक V)

अधिक जानकारी के लिए, कृपया राष्ट्रीय मौसम बुलेटिन देखें:

https://mausam.imd.gov.in/responsive/all_india_forcast_bulletin.php

जिलेवार चेतावनियों के लिए देखें: https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php

अनुलग्नक I

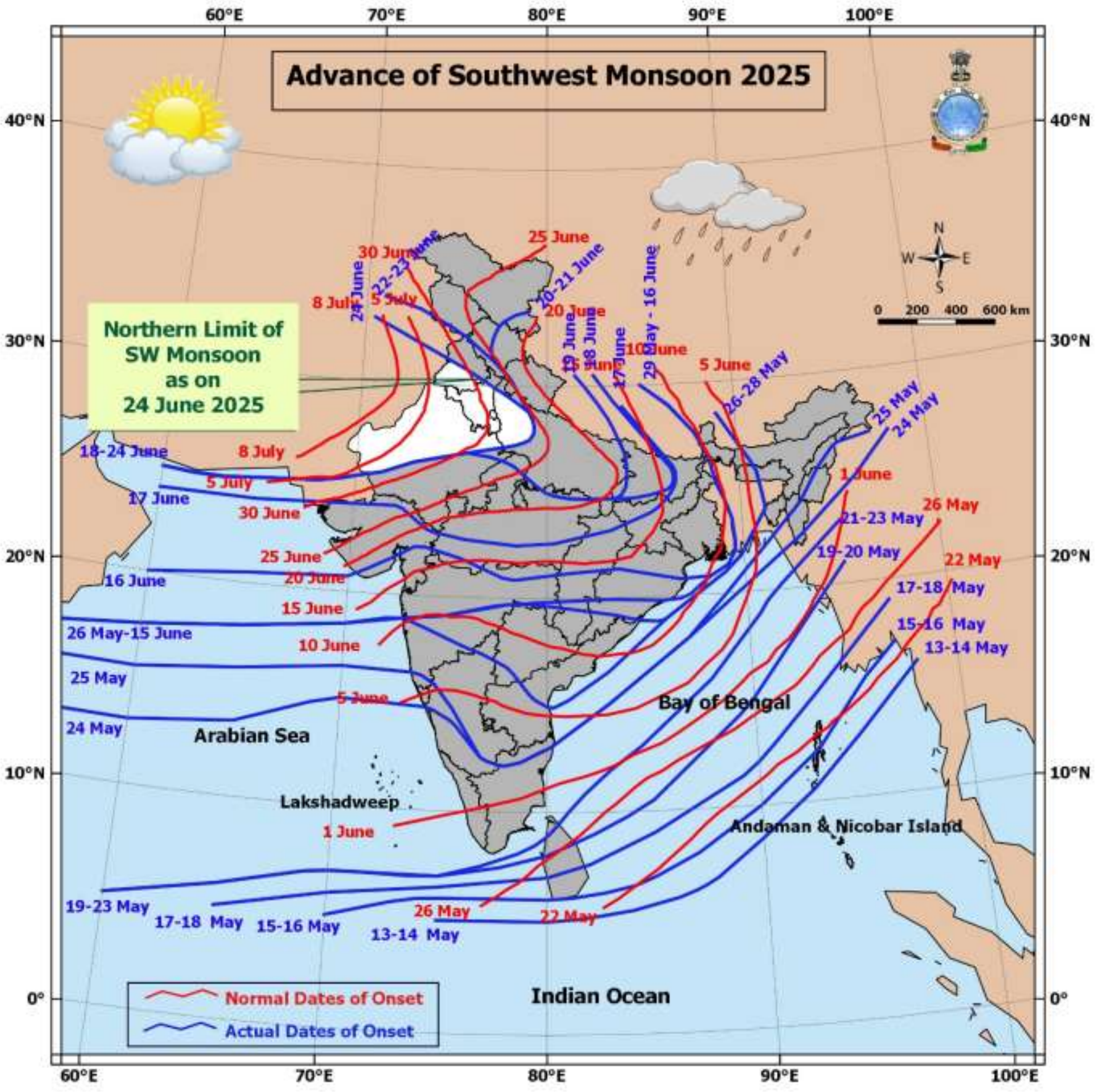

अनुलग्नक II

वर्षा रिकॉर्ड की गई (से.मी.):

- **उप हिमालय पश्चिम बंगाल और सिक्किम**: कुमारग्राम (जिला अलीपुरद्वार) 28; गाजोलदोबा (जिला जलपाईगुड़ी) 25; अलीपुरद्वार पीटीओ (जिला अलीपुरद्वार) 23; सरस्वतीपुर टी एस्टेट (जिला जलपाईगुड़ी) 21; सेवोके (जिला दार्जिलिंग), पटकापारा टी एस्टेट (जिला अलीपुरद्वार) 20 प्रत्येक; संकोस टी एस्टेट (जिला अलीपुरद्वार) 18; संकोश (जिला कूच बिहार), लीश नदी चाय बागान (जिला जलपाईगुड़ी) 17 प्रत्येक; घीश (जिला जलपाईगुड़ी), ऊदलाबारी टी एस्टेट (जिला जलपाईगुड़ी), कुमारग्राम टी एस्टेट (जिला अलीपुरद्वार) 16 प्रत्येक; बरोभीशा (जिला अलीपुरद्वार), सिलीगुड़ी पीटीओ (जिला दार्जिलिंग), न्यूलैंड्स टी गार्डन (जिला अलीपुरद्वार) 15 प्रत्येक; सूर्यसेन महाविद्यालय, (जिला दार्जिलिंग), चेल (जिला जलपाईगुड़ी), कैलाशपुर टी एस्टेट (जिला जलपाईगुड़ी), वाशाबाड़ी टी एस्टेट (जिला जलपाईगुड़ी) 14 प्रत्येक; चेपान (जिला अलीपुरद्वार) 13; चंपासारी (जिला दार्जिलिंग), कुमलाई टी.ई. (जिला जलपाईगुड़ी) 12 प्रत्येक;
- **गुजरात क्षेत्र**: कामरेज (जिला सूरत) 27; बारडोली (जिला सूरत) 26; पलसाना (जिला सूरत) 24; खानवेल (जिला दादरा एवं नगर हवेली) 18; तिलकवाड़ा (जिला नर्मदा) 17; व्यारा (जिला तापी) 16; नर्मदा केवीके एडब्ल्यूएस (जिला नर्मदा) 15; ओलपाड (जिला सूरत), उकाई (जिला सूरत) 14 प्रत्येक; महुवा (जिला सूरत), मधबुन (जिला दादरा और नगर हवेली), डोलवन (जिला तापी), बोरसाद (जिला आनंद) 13 प्रत्येक; मांडवी (जिला सूरत), सूरत शहर (जिला सूरत) 12 प्रत्येक; चोर्यासी (जिला सूरत) 11;
- **कोंकण और गोवा**: जव्हार (जिला पालघर) 23; विक्रमगढ़ (जिला पालघर) 20; मोखेडा - एफएमओ (जिला पालघर) 19; खालापुर (जिला रायगढ़), वसई (जिला पालघर) 17 प्रत्येक; माथेरान (जिला रायगढ़) 16; रोहा (जिला रायगढ़) 15; सुधागढ़ पाली (जिला रायगढ़), भिवंडी (जिला ठाणे) 14 प्रत्येक; पोलादपुर (जिला रायगढ़) 13; पनवेल एआरजी (जिला रायगढ़), मंदनगढ़ (जिला रत्नागिरी), पेन (जिला रायगढ़), दहानू (जिला पालघर) 10 प्रत्येक;
- **मध्य महाराष्ट्र:** लोनावाला एआरजी (जिला पुणे) 18; महाबलेश्वर (जिला सतारा) 16; राधानगरी (जिला कोल्हापुर), इगतपुरी (जिला नासिक) 14 प्रत्येक; गगनबावड़ा (जिला कोल्हापुर) 13; अजरा (जिला कोल्हापुर), ओझरखेड़ा - एफएमओ (जिला नासिक) 12 प्रत्येक; चांदगढ़ (जिला कोल्हापुर) 10; त्र्यंबकेश्वर (जिला नासिक), हरसूल - एफएमओ (जिला नासिक) 9 प्रत्येक; धडगांव/अक्रानी- हाइड्रो (जिला नंदुरबार), शाहुवाड़ी (जिला कोल्हापुर), वेल्हे (जिला पुणे) 8 प्रत्येक;
- **पूर्वी राजस्थान**: मांगरोल (जिला बारां) 18; शाहाबाद (जिला बारां) 17; किशनगंज (जिला बारां) 11; बारां (जिला बारां), खंडार एसआर (जिला सवाई माधोपुर) 9 प्रत्येक;
- **असम और मेघालय:** गोसाईगांव (जिला कोकराझार), गोसाईगांव एडब्ल्यूएस (जिला कोकराझार) 17 प्रत्येक; तंगला एआरजी (जिला उदलगुरी) 12; मजबत (जिला उदलगुरी), मजबत एआरजी (जिला उदलगुरी) 8 प्रत्येक; चेरापूंजी (आरकेएम) (जिला पूर्वी खासी हिल्स), एन.लखीमपुर/लीलाबाड़ी (जिला लखीमपुर), काजोलगांव एडब्ल्यूएस (जिला चिरांग), नेमाटीघाट (जिला जोरहाट) 7 प्रत्येक;
- **तटीय कर्नाटक**: सिद्धपुरा (जिला उडुपी) 13; कैसल रॉक (जिला उत्तर कन्नड़) 10; कादरा (जिला उत्तर कन्नड़) 8; बनवासी (जिला उत्तर कन्नड़) 7;
- **पश्चिम मध्य प्रदेश**: करहल (जिला श्योपुर) 12; कोलारस (जिला शिवपुरी) 11; श्योपुर-एडब्ल्यूएस (जिला श्योपुर) 9; पोहरी (जिला शिवपुरी), बडोदा (जिला श्योपुर) 8 प्रत्येक;
- **अरुणाचल प्रदेश**: भालुकपोंग (जिला पश्चिम कामेंग) 12; तूतिंग (जिला ऊपरी सियांग) 8; बसर एडब्ल्यूएस (जिला पश्चिम सियांग), बसर (जिला पश्चिम सियांग) 7 प्रत्येक;
- **पंजाब**: लोहंड (जिला रूपनगर) 12; खन्ना (जिला लुधियाना) 10; लुधियाना (जिला लुधियाना) 7;
- **हरियाणा-चंडीगढ़-दिल्ली**: शाहबाद (जिला कुरूक्षेत्र) 12; नीलोखेड़ी (जिला करनाल), बाबैन आरईवी (जिला कुरूक्षेत्र) 10 प्रत्येक; रेवाडी (जिला रेवाडी), कुरूक्षेत्र (जिला कुरूक्षेत्र), थानेसर (जिला कुरूक्षेत्र) 9 प्रत्येक; इंद्री (जिला करनाल) 8; बावल एडब्लूएस (जिला रेवाडी), ताजेवाला (जिला यमुनानगर) 7 प्रत्येक;
- **उत्तराखंड**: सामा (जिला बागेश्वर) 12; हरिपुर (जिला देहरादून) 10; रुद्रप्रयाग (जिला रुद्रप्रयाग) 8;
- **बिहार**: गलगलिया (जिला किशनगंज) 12; अरेराज (जिला पूर्वी चंपारण) 9; रोसेरा (जिला समस्तीपुर) 8; तैयबपुर (जिला किशनगंज), चटिया (जिला पूर्वी चंपारण), पोठिया (जिला किशनगंज), करगहर (जिला रोहतास) 7 प्रत्येक;
- **ओडिशा**: टायरिंग (जिला मयूरभंज) 10; काशीपुर (जिला रायगढ़ा), कप्तिपाड़ा (जिला मयूरभंज), दरिंगीबाड़ी (जिला कंधमाल) 7 प्रत्येक;
- **उत्तरी आंतरिक कर्नाटक**: खानापुर (जिला बेलगावी) 10; लोंडा (जिला बेलगावी) 7;
- **दक्षिण आंतरिक कर्नाटक**: अगुम्बे इमो (जिला शिवमोग्गा) 9; सोमवारपेट (जिला कोडागु), कोट्टीगेहारा (जिला चिक्कमगलुरु) 7 प्रत्येक;
- **पूर्वी मध्य प्रदेश:** छिंदवाड़ा-एडब्ल्यूएस (जिला छिंदवाड़ा), कुमदम (जिला जबलपुर), बिलासपुर (जिला उमरिया) 8 प्रत्येक; मलांजखंड (जिला बालाघाट), शाहपुरा (जिला डिंडोरी), बरगी (जिला जबलपुर) 7 प्रत्येक;
- **तेलंगाना**: दहेगांव (जिला कुमारम भीम) 7;

- **छत्तीसगढ़**: चंदो (जिला बलरामपुर), सामरी (जिला बलरामपुर) 7 प्रत्येक; विदर्भ: भामरागड (जिला गढ़चिरौली) 7.

बीते 24 घंटों में दर्ज झोंकेदार हवाएँ (किमी/घंटा, 24 जून 2025, 0830 बजे IST तक):

- **मध्य महाराष्ट्र**: कराड (सतारा) - 72 किमी प्रति घंटा, कर्जत (रायगढ़) - 67 किमी प्रति घंटा, महाबलेश्वर - 63 किमी प्रति घंटा;
- **मराठवाड़ा**: बीड (अम्बेजोगाई) -56 किमी प्रति घंटा, धाराशिव (50 किमी प्रति घंटा),
- **अंडमान और निकोबार द्वीप समूह**: स्वराजदीप-54, विजयपुरम-58, शहीद दीप-39;
- **कोंकण**: सांताक्रूज़ (मुंबई) - 48 किमी प्रति घंटा;
- **हिमाचल प्रदेश**: कुकुमसेरी-46, बजौरा-41;
- **हरियाणा**: जिंद=46; हिसार=39; भिवानी=37; कैथल=33; करनाल=31; सोनीपत, कुरूक्षेत्र और यमुनानगर=30:
- **पश्चिमी मध्य प्रदेश**: शिवपुरी 46;
- **पंजाब:** होशियारपुर=44; रोपड़=33; मोहाली और मोगा=31; फरीदकोट और फाजिल्का=3;

अनुलग्नक III

Table-1

7 Days Rainfall Forecast

S.No.	Subdivision	24- Jun	25- Jun	26- Jun	27- Jun	28- Jun	29- Jun	30- Jun
		Day 1	Day 2	Day 3	Day 4	Day 5	Day 6	Day 7
1	ANDAMAN & NICOBAR ISLANDS	WS	FWS	FWS	FWS	WS	WS	FWS
2	ARUNACHAL PRADESH	WS	FWS	FWS	FWS	WS	WS	WS
3	ASSAM & MEHGHALAYA	WS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS
4	NAGALAND, MANIPUR, MIZORAM AND TRIPURA	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS
5	SUB HIMALAYAN WEST BENGAL & SIKKIM	WS	FWS	FWS	WS	WS	WS	WS
6	GANGETIC WEST BENGAL	FWS	WS	WS	WS	WS	FWS	FWS
7	ODISHA	WS	WS	WS	FWS	FWS	SCT	SCT
8	JHARKHAND	WS	WS	WS	WS	FWS	FWS	FWS
9	BIHAR	FWS	SCT	SCT	SCT	FWS	FWS	FWS
10	EAST UTTAR PRADESH	SCT	FWS	FWS	WS	WS	WS	WS
11	WEST UTTAR PRADESH	SCT	FWS	WS	WS	WS	WS	WS
12	UTTARAKHAND	FWS	WS	WS	WS	FWS	WS	WS
13	HARYANA, CHANDIGARH & DELHI	SCT	FWS	WS	FWS	FWS	FWS	FWS
14	PUNJAB	SCT	FWS	WS	FWS	FWS	FWS	FWS
15	HIMACHAL PRADESH	FWS	WS	WS	WS	FWS	FWS	FWS
16	JAMMU AND KASHMIR AND LADAKH	SCT	WS	WS	WS	SCT	SCT	SCT
17	WEST RAJASTHAN	SCT	ISOL	SCT	FWS	FWS	FWS	SCT
18	EAST RAJASTHAN	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	SCT
19	WEST MADHYA PRADESH	WS	WS	WS	WS	FWS	FWS	FWS
20	EAST MADHYA PRADESH	WS	WS	WS	WS	WS	FWS	FWS
21	GUJRAT REGION	WS	WS	WS	WS	WS	WS	WS
22	SAURASHTRA & KUTCH	WS	WS	WS	WS	WS	WS	WS
23	KONKAN & GOA	WS	WS	WS	WS	WS	WS	WS
24	MADHYA MAHARASHTRA	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT
25	MARATHWADA	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
26	VIDARBHA	WS	WS	FWS	FWS	SCT	SCT	SCT
27	CHHATTISGARH	WS	WS	WS	WS	WS	FWS	FWS
28	COASTAL ANDHRA PRADESH	FWS	SCT	SCT	FWS	FWS	SCT	SCT
29	TELANGANA	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
30	RAYALASEEMA	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
31	TAMILNADU & PUDUCHERRY	ISOL	ISOL	SCT	SCT	SCT	ISOL	ISOL
32	COSTAL KARNATAKA	WS	WS	WS	WS	WS	WS	WS
33	NORTH INTERIOR KARNATAKA	SCT	SCT	SCT	FWS	SCT	SCT	SCT
34	SOUTH INTERIOR KARNATAKA	FWS	FWS	FWS	WS	FWS	SCT	SCT
35	KERALA AND MAHE	WS	WS	WS	WS	WS	FWS	FWS
36	LAKSHADWEEP	FWS	WS	WS	WS	WS	FWS	FWS

- जैसे-जैसे लीड पीरियड बढ़ता है पूर्वानुमान सटीकता कम हो जाती है।

अनुलग्नक IV

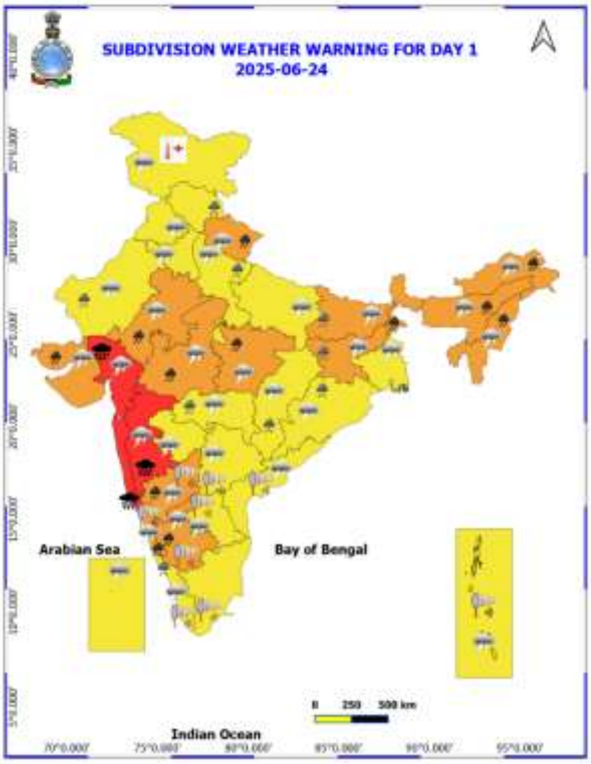
SUBDIVISION WEATHER WARNING FOR DAY 1
2025-06-24
Arabian Sea
Bay of Bengal
Indian Ocean
0 250 500 km

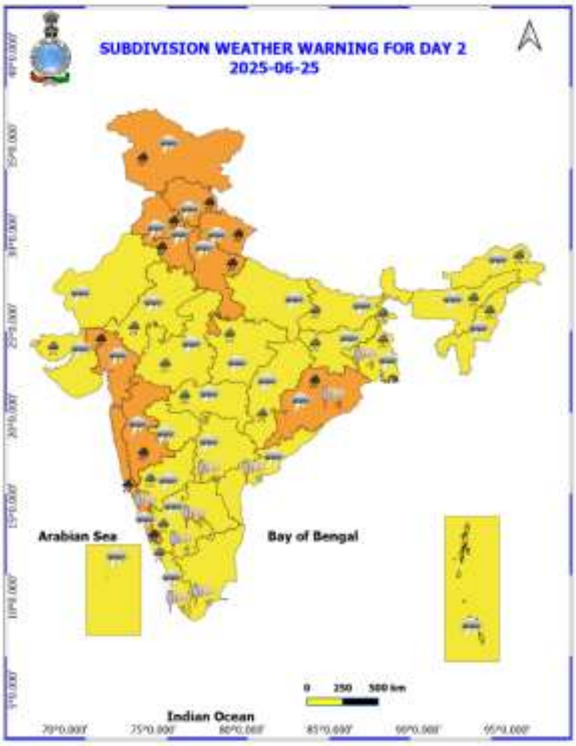
SUBDIVISION WEATHER WARNING FOR DAY 2
2025-06-25
Arabian Sea
Bay of Bengal
Indian Ocean
0 250 500 km

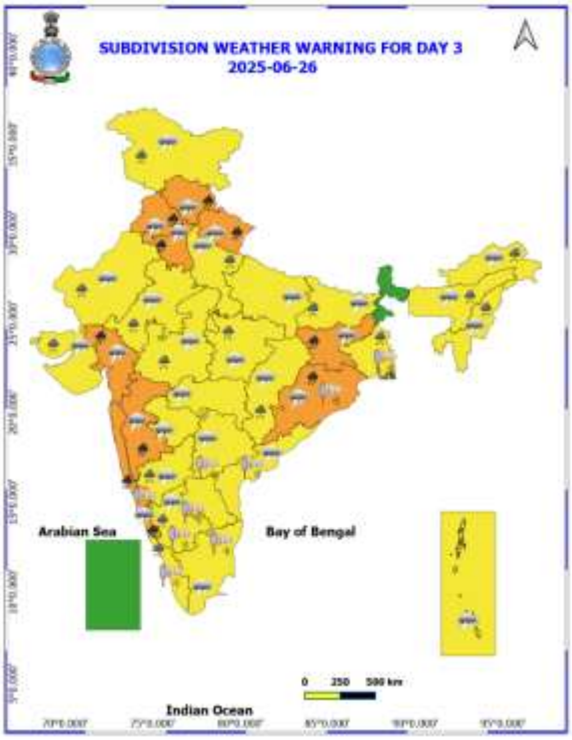
SUBDIVISION WEATHER WARNING FOR DAY 3
2025-06-26
Arabian Sea
Bay of Bengal
Indian Ocean
0 250 500 km

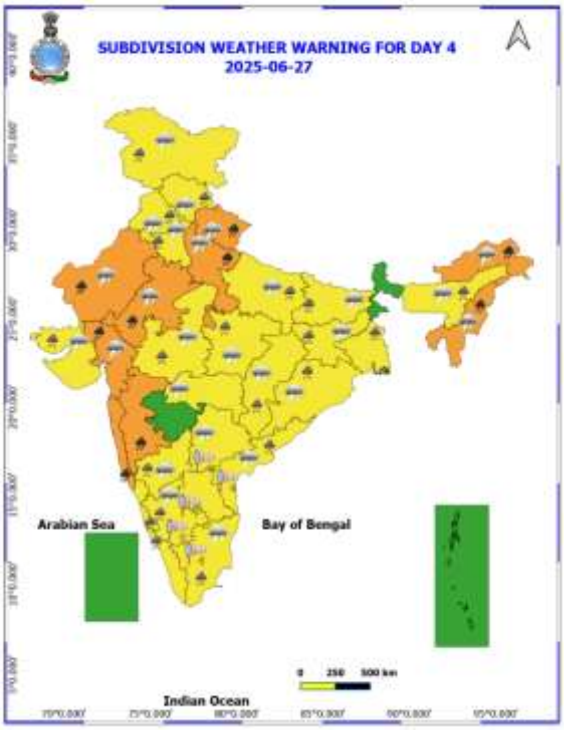

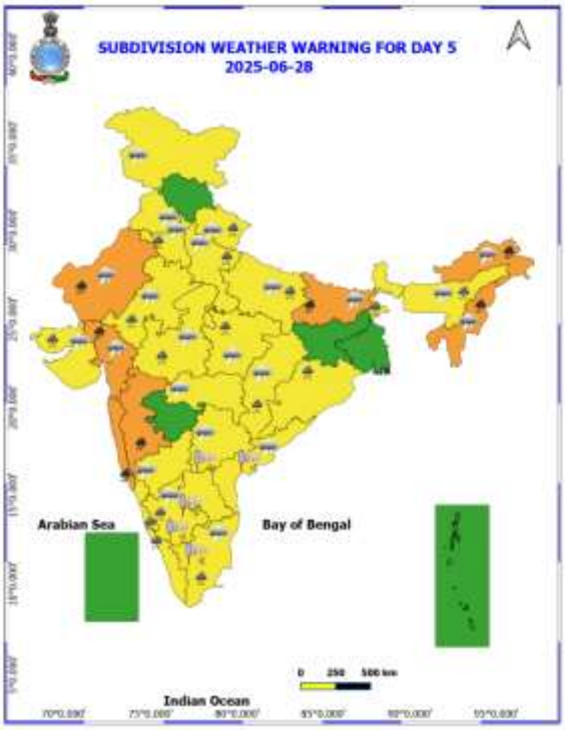

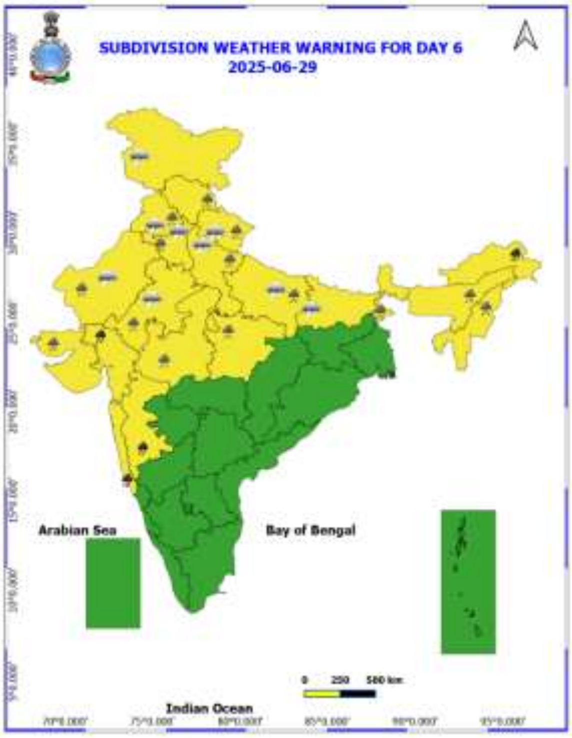

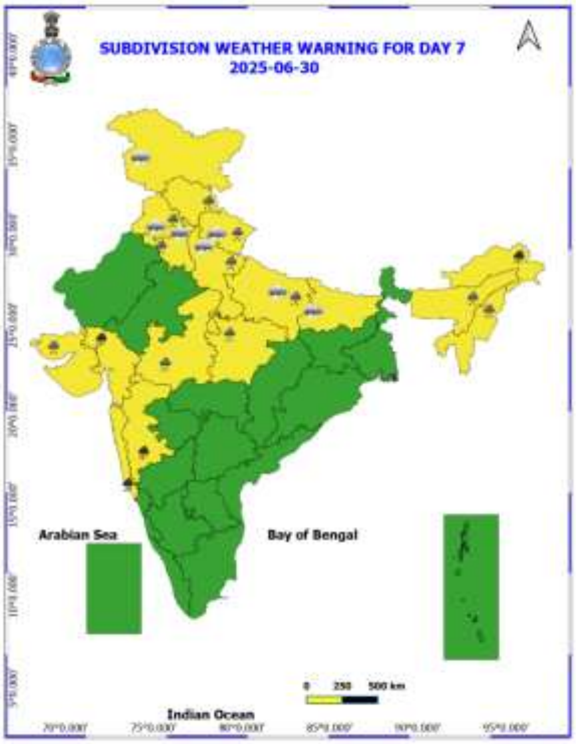

- नारंगी और लाल रंग की चेतावनियों के आधार पर कार्रवाई की जा सकती है।
- असुरक्षित क्षेत्रों में भारी वर्षा की चेतावनी के लिए शहरी और पहाड़ी क्षेत्रों में कार्रवाई शुरू की जा सकती है।
- जैसे-जैसे समय बढ़ता है, पूर्वानुमान की सटीकता कम होती जाती है।

अगले पाँच दिनों के लिए जिलेवार विस्तृत बहु-जोखिम मौसम चेतावनी यहाँ उपलब्ध है
https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php

दिल्ली/एनसीआर के लिए मौसम पूर्वानुमान (24 जून से 27 जून 2025 तक)

पिछला मौसम:

गत 24 घंटों के दौरान दिल्ली/एनसीआर में न्यूनतम तापमान में कोई विशेष परिवर्तन नहीं हुआ, जबकि अधिकतम तापमान में 1 से 2 डिग्री सेल्सियस तक की वृद्धि हुई। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः लगभग 36 से 37 डिग्री सेल्सियस और 25 से 28 डिग्री सेल्सियस के बीच रहा। न्यूनतम तापमान सामान्य से 1 से 3 डिग्री सेल्सियस तक नीचे रहा, जबकि अधिकतम तापमान सामान्य से 2 से 4 डिग्री सेल्सियस तक कम रहा। पिछले 24 घंटों के दौरान आकाश सामान्यतः बादलयुक्त रहा और सतही हवा पूर्व दिशा से 20 किमी/घंटा की रफ्तार से चली, जोकि झोंकों के साथ 35 किमी/घंटा तक पहुंच गई। आज पूर्वाह्न में आंशिक रूप से बादल छाए रहे तथा विभिन्न दिशाओं से 6 किमी/घंटा से कम गति की हवाएं चलीं।

मौसम पूर्वानुमान:

24.06.2025: आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। बहुत हल्की से हल्की वर्षा/गर्जन के साथ वर्षा/आकाशीय बिजली गिरने की संभावना है, जो 30 - 40 किमी/घंटा की झोंकेदार हवाओं के साथ हो सकती है। दिल्ली में अधिकतम तापमान 35 से 37 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है, जो सामान्य से 1 - 3 डिग्री सेल्सियस तक कम रहेगा। सतही हवा मुख्यतः दक्षिण-पूर्व दिशा से दोपहर में 15 किमी/घंटा से कम गति से चलेगी, जो शाम और रात के समय बढ़कर 15-18 किमी/घंटा हो जाएगी।

25.06.2025: आकाश सामान्यतः बादलयुक्त रहेगा। हल्की से मध्यम वर्षा/गर्जन के साथ वर्षा/आकाशीय बिजली गिरने और 30 - 40 किमी/घंटा की झोंकेदार हवाओं की संभावना है। अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 33 से 35 डिग्री सेल्सियस और 26 से 28 डिग्री सेल्सियस के बीच रहेगा। न्यूनतम तापमान सामान्य से 1 से 2 डिग्री सेल्सियस नीचे और अधिकतम तापमान सामान्य से 3 से 5 डिग्री सेल्सियस तक नीचे रहेगा। सतही हवा सुबह के समय दक्षिण-पूर्व दिशा से 10 किमी/घंटा से कम गति से चलेगी, जो दोपहर में बढ़कर 10-15 किमी/घंटा हो जाएगी और शाम-रात में 25 किमी/घंटा से कम रहेगी।

26.06.2025: आकाश सामान्यतः बादलयुक्त रहेगा। बहुत हल्की से हल्की वर्षा/गर्जन के साथ वर्षा/आकाशीय बिजली गिरने की संभावना है, झोंकों की गति 30 - 40 किमी/घंटा तक हो सकती है। अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 33 से 35 डिग्री सेल्सियस और 26 से 28 डिग्री सेल्सियस के बीच रहेगा। न्यूनतम तापमान सामान्य से 1 से 2 डिग्री सेल्सियस नीचे और अधिकतम तापमान सामान्य से 3 से 5 डिग्री सेल्सियस नीचे रहेगा। सुबह के समय पूर्व दिशा से सतही हवा की गति 20 किमी/घंटा से कम रहेगी, जो दोपहर में घटकर दक्षिण-पूर्व दिशा से 15 किमी/घंटा से कम हो जाएगी और शाम-रात में उत्तर-पूर्व दिशा से 20 किमी/घंटा से कम की गति से बढ़ेगी।

27.06.2025: आकाश सामान्यतः बादलयुक्त रहेगा। हल्की से मध्यम वर्षा/गर्जन के साथ वर्षा/आकाशीय बिजली गिरने की संभावना है, झोंकों की गति 30 - 40 किमी/घंटा तक हो सकती है। अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 33 से 35 डिग्री सेल्सियस और 26 से 28 डिग्री सेल्सियस के बीच रहेगा। न्यूनतम तापमान सामान्य से 1 से 2 डिग्री सेल्सियस नीचे और अधिकतम तापमान सामान्य से 3 से 5 डिग्री सेल्सियस नीचे रहेगा। सुबह के समय सतही हवा की गति उत्तर-पूर्व दिशा से 15 किमी/घंटा से कम रहेगी, जो दोपहर में बढ़कर 20 किमी/घंटा से कम हो जाएगी और शाम-रात में उत्तर-पूर्व दिशा से 25 किमी/घंटा से कम की गति से चलेगी।

गर्जन/आकाशीय बिजली/तेज हवाओं से संभावित प्रभाव व सुझाव:

- गर्जन/बिजली गिरने और 30 - 40 किमी/घंटा की तेज हवाओं की संभावना को देखते हुए सतर्क रहें और आवश्यक सावधानियां बरतें।
- पेड़ों की शाखाएं टूट सकती हैं, बड़े पेड़ उखड़ सकते हैं, सूखी टहनियां उड़ सकती हैं, फसलों को नुकसान हो सकता है, बिजली और संचार लाइनों को नुकसान हो सकता है, कमजोर ढांचों को आंशिक नुकसान हो सकता है, ढीली वस्तुएं उड़ सकती हैं।
- लोगों को सलाह दी जाती है कि मौसम की बिगड़ती स्थिति पर नजर रखें और आवश्यकता पड़ने पर सुरक्षित स्थानों की ओर जाने के लिए तैयार रहें, घर में रहें, खिड़कियां व दरवाजे बंद रखें, यात्रा से बचें, सुरक्षित स्थानों पर शरण लें, पेड़ों के नीचे

शरण न लें, कंक्रीट की ज़मीन पर न लेटें और कंक्रीट की दीवारों से न टिकें, विद्युत/इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के प्लग निकालें, जलाशयों से तुरंत बाहर निकलें और विद्युत चालक वस्तुओं से दूर रहें।

अत्यधिक भारी वर्षा/बहुत भारी वर्षा के कारण सुझाए गए प्रभाव और कार्रवाई

- 24 जून को कोंकण, मध्य महाराष्ट्र, गुजरात क्षेत्र में अलग-अलग स्थानों पर अत्यधिक भारी वर्षा (> 20 सेमी/24 घंटे) होने की संभावना है।
- 24-30 जून के दौरान कोंकण और गोवा, मध्य महाराष्ट्र, गुजरात क्षेत्र, पूर्वोत्तर भारत में बहुत भारी वर्षा, 24-27 जून के दौरान उत्तराखंड, 27 को पश्चिमी राजस्थान; 24 और 27 को पूर्वी राजस्थान; 25 और 26 को हरियाणा, पंजाब, ओडिशा, 25 और 27 को पश्चिमी उत्तर प्रदेश; 25 को जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुजफ्फराबाद; 24 को मध्य प्रदेश, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम; 28 को बिहार; 26 को झारखंड, 24 को आंतरिक कर्नाटक; 24-26 जून के दौरान तटीय कर्नाटक।

अपेक्षित प्रभाव

- स्थानीय स्तर पर सड़कों पर बाढ़, निचले इलाकों में जलभराव और मुख्य रूप से उपरोक्त क्षेत्र के शहरी इलाकों में अंडरपास बंद होना।
- भारी वर्षा के कारण कभी-कभी दृश्यता में कमी।
- सड़कों पर जलभराव के कारण प्रमुख शहरों में यातायात बाधित होना, जिससे यात्रा का समय बढ़ जाएगा।
- कच्ची सड़कों को मामूली नुकसान।
- कमजोर संरचनाओं को नुकसान की संभावना।
- स्थानीय स्तर पर भूस्खलन/मिट्टी का धंसना
- जलभराव के कारण कुछ क्षेत्रों में बागवानी और खड़ी फसलों को नुकसान।
- इससे कुछ नदी जलग्रहण क्षेत्रों में बाढ़ आ सकती है (नदी बाढ़ के लिए कृपया सीडब्ल्यूसी के वेब पेज पर जाएँ)।

सुझाई गई कार्रवाई

- अपने गंतव्य के लिए रवाना होने से पहले अपने मार्ग पर यातायात की भीड़ की जांच करें।
- इस संबंध में जारी किए गए किसी भी यातायात सलाह का पालन करें।
- उन क्षेत्रों में जाने से बचें जहाँ अक्सर जलभराव की समस्या होती है।
- असुरक्षित संरचनाओं में रहने से बचें।

बिहार और झारखंड में 24 जून को अलग-अलग स्थानों पर गरज के साथ बिजली गिरने के संभावित प्रभाव और सुझाए गए उपाय

संभावित प्रभाव:

- पेड़ों की टहनियों का टूटना और बड़े सड़क किनारे के पेड़ों का उखड़ना। पेड़ों से बड़ी सूखी टहनियां गिरना। खड़ी फसलों को नुकसान।
- केले और पपीते के पेड़ों में मामूली से लेकर बड़ा नुकसान।
- बिजली और संचार लाइनों को टहनियों के टूटने से मामूली से लेकर बड़ा नुकसान।
- तेज हवाओं/ओलों से बागवानी, बिजारोपण और खड़ी फसलों को नुकसान हो सकता है।
- तेज हवाओं के कारण कमजोर संरचनाओं को आंशिक नुकसान।
- कच्चे मकानों/दीवारों और झोपड़ियों को मामूली नुकसान।
- ढीली वस्तुएं उड़ सकती हैं।

सुझाए गए उपाय:

- ❖ लोगों को सलाह दी जाती है कि वे मौसम पर नजर रखें और बिगड़ती परिस्थितियों के लिए तैयार रहें, और आवश्यकता पड़ने पर सुरक्षित स्थानों पर जाएं।
- ❖ घर के अंदर रहें, खिड़कियां और दरवाजे बंद करें, और यदि संभव हो तो यात्रा से बचें।
- ❖ सुरक्षित आश्रय लें; पेड़ों के नीचे आश्रय न लें।
- ❖ कंक्रीट के फर्श पर न लेटें और कंक्रीट की दीवारों से न सटें।
- ❖ विद्युत/इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों को अनप्लग करें।
- ❖ तुरंत जलाशयों से बाहर निकलें।
- ❖ बिजली का संचालन करने वाली सभी वस्तुओं से दूर रहें।

भारी / भारी से बहुत भारी / अत्यधिक भारी वर्षा के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी परामर्श (आईबीएफ और विभिन्न एएमएफयू द्वारा जारी परामर्श पर आधारित)

- ➢ **गुजरात में,** धान की नर्सरी बुवाई स्थगित करें। पहले से बोई गई धान की नर्सरी, गन्ने के खेतों, केले और आम के बागानों में जलभराव को रोकने के लिए उचित जल निकासी की सुविधा सुनिश्चित करें। गन्ने और केले को गिरने से बचाने के लिए उन्हें प्रदान करें। **सौराष्ट्र और कच्छ में,** खरीफ मूंगफली, कपास, तिल, बाजरा, मूंग, उड़द, लोबिया, अरहर, मक्का, ज्वार और सब्जियों की बुवाई को स्थगित करें। सब्जी नर्सरी और बागवानी फसलों से अतिरिक्त वर्षा जल निकाल दें।
- ➢ **पश्चिम मध्य प्रदेश** में मक्का की कटाई को स्थगित करें। बाजरा, सोयाबीन, अरहर और धान की नर्सरी की बुआई को स्थगित करें। जलभराव से बचने के लिए सब्जियों और बगानों से अतिरिक्त जल निकालने के लिए आवश्यक प्रबंध करें। **पूर्वी मध्य प्रदेश** के **काइमोर पठार और सतपुड़ा पहाड़ी क्षेत्र** में, परिपक्व मूंग और उड़द की फसल की कटाई करें और उसे सुरक्षित स्थान पर रखें। **पश्चिमी मध्य प्रदेश** के **गिर्द क्षेत्र** में, परिपक्व मक्का की फसल की कटाई करें और उसे सुरक्षित स्थान पर रखें। सोयाबीन की बुवाई और मिर्च, टमाटर, बैंगन आदि की रोपाई को स्थगित करें तथा पहले से बोए गए / रोपे गए खेतों में उचित जल निकासी सुनिश्चित करें।
- ➢ **पूर्वी राजस्थान** में भिंडी और कद्दूवर्गीय सब्जियों की कटाई करें तथा उन्हें सुरक्षित स्थान पर भण्डारित करें। मूंगफली और मूंग की फसल के खेतों से अतिरिक्त पानी निकालने की व्यवस्था करें।
- ➢ **उत्तराखंड** में धान की नर्सरी, अरहर, मूंगफली, मक्का, सोयाबीन, बाजरा और रागी की फसलों में जलभराव से बचाव हेतु उचित जल निकासी चैनल बनाएं। **उत्तराखंड** के **भाबर और तराई क्षेत्र** में, परिपक्व वसंत मक्का की फसल और सब्जियों (कद्दू, टमाटर, भिंडी, मिर्च, फ्रेंच बीन आदि) की कटाई मौसम साफ होने पर ही करें और सुरक्षित स्थान पर भंडारण करें।
- ➢ **हिमाचल प्रदेश** के **उप-पर्वतीय और निम्न पहाड़ी उप-उष्णकटिबंधीय क्षेत्र** में मक्का और सब्जियों के खेतों में जल निकासी की व्यवस्था करें। लताओं और लंबी सब्जी फसलों (टमाटर, शिमला मिर्च आदि) के लिए सहारे को मजबूत बनाएँ। **हिमाचल प्रदेश** के **मध्य पहाड़ी उप-आर्द्र क्षेत्र** में, भारी बारिश के कारण होने वाले नुकसान को कम करने के लिए आलूबुखारा, नाशपाती और स्टोन-फ्रूट के पके हुए फलों की तुड़ाई करें। मक्का, सेब, नाशपाती, अनार, कीवी, खीरा और टमाटर के खेतों में जलभराव से बचाव हेतु उचित जल निकासी चैनल बनाएं। खीरे की लताओं और टमाटर के पौधों को गिरने से बचाने के लिए उन्हें सहारा प्रदान करें।
- ➢ **उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल में,** धान की नर्सरी तथा जूट और अदरक के खेतों में जलजमाव से बचने के लिए उचित जल निकासी चैनल बनाए रखें।
- ➢ **झारखंड में,** पहले से बोए गए मक्का के खेतों, धान और सब्जी की नर्सरियों से अतिरिक्त पानी निकालने के लिए आवश्यक व्यवस्था करें।
- ➢ **ओडिशा में,** पहले से बोई गई धान की नर्सरी, मक्का और सब्जियों के खेतों से जलभराव को रोकने के लिए उचित जल निकासी सुनिश्चित करें। बीजों को बहने से रोकने के लिए धान और सब्जियों की नर्सरी को प्लास्टिक शीट से ढक दें।
- ➢ **छत्तीसगढ़** में, धान की नर्सरी में उचित जल निकासी सुनिश्चित करें।
- ➢ **कोंकण और गोवा** में, जलभराव से बचाव हेतु धान की नर्सरी, रागी तथा मूंगफली के खेतों और बागवानी फसलों से अतिरिक्त पानी निकालने की व्यवस्था करें। **मध्य महाराष्ट्र** के **घाट क्षेत्रों** में, जलभराव को रोकने के लिए धान की नर्सरी और केले के बागानों से अतिरिक्त पानी निकालने की व्यवस्था करें।

- **तटीय कर्नाटक में,** जलजमाव को रोकने के लिए धान की नर्सरी, केले, नारियल और सुपारी के बागानों में जल निकासी की उचित सुविधा सुनिश्चित करें। **दक्षिण आंतरिक कर्नाटक में,** धान की नई पौध को भारी बारिश से बचाने हेतु प्लास्टिक शीट या एग्रो-शेड नेट से ढक दें। जलजमाव को रोकने के लिए चावल की नर्सरी, कॉफी, इलायची, नारियल और सुपारी के बागानों से अतिरिक्त पानी निकालने हेतु जल निकासी की उचित व्यवस्था करें। गन्ने और केले को गिरने से बचाने के लिए सहारा प्रदान करें। **उत्तर आंतरिक कर्नाटक में,** जलभराव को रोकने के लिए अंकुरण अवस्था में मौजूद फसलों से अतिरिक्त पानी निकाल दें।
- **केरल में,** धान की नर्सरी, रोपित धान के खेतों, नारियल और केले के बागानों में जलजमाव को रोकने के लिए जल निकासी की उचित व्यवस्था सुनिश्चित करें। केले के पौधों को भारी बारिश से बचाने के लिए सहारा प्रदान करें।
- **असम में**, तिल, फॉक्सटेल बाजरा (कांगनी), बोरो धान, केला और सिट्रस फलों की कटी/ तोड़ी हुई उपज को सुरक्षित स्थानों पर रखें। जलभराव को रोकने के लिए साली धान की नर्सरी, मक्का और गन्ने के खेतों, सुपारी और नारियल के बागानों में उचित जल निकासी सुनिश्चित करें। **असम** के **बराक घाटी क्षेत्र** में, साली धान की नर्सरी बुवाई स्थगित करें।
- **मेघालय** में, विशेष रूप से घाटियों में धान की नर्सरी बुवाई स्थगित करें। मक्का, अदरक, फ्रेंच बीन, लोबिया, सब्जियों के खेतों और धान की नर्सरी के आसपास जलभराव को रोकने के लिए उचित जल निकासी सुनिश्चित करें। लोबिया, ककड़ी और लौकी को मजबूत बांस की डंडियों या जाली का सहारा प्रदान करें ताकि बेलें गीली ज़मीन पर न गिरें। केले के पौधे को गिरने से बचाने हेतु सहारा दें।
- **अरुणाचल प्रदेश में,** सोयाबीन और मिर्च तथा भिंडी जैसी सब्जियों की कटी हुई उपज को सुरक्षित स्थान पर रखें। धान की नर्सरी, कीवी और सेब के बागानों में जलभराव से बचाव के लिए उचित जल निकासी सुनिश्चित करें।
- **नागालैंड** में, TRC/WRC धान की रोपाई से बचें। सोयाबीन की बुवाई स्थगित करें। बेलवर्गीय पौधों को उचित सहारा प्रदान करें।

पशुपालन / मत्स्य पालन

- भारी वर्षा के दौरान पशुओं को शेड के अंदर रखें और उन्हें संतुलित आहार प्रदान करें।
- चारे को खराब होने से बचाने के लिए सुरक्षित स्थान पर रखें।
- अतिरिक्त पानी को निकालने हेतु तालाब के चारों ओर उचित जाल का प्रयोग करके एक आउटलेट का निर्माण करें, जिससे अतिप्रवाह की स्थिति में मछलियों को बाहर निकलने से रोका जा सके।

तूफान / तेज़ हवाओं / तूफानी हवाओं के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी परामर्श (आईबीएफ और विभिन्न एएमएफयू द्वारा जारी परामर्श पर आधारित)

- बागवानी फसलों, सब्जियों और युवा फलों के पौधों व फल देने वाले पौधों को तेज हवाओं के कारण गिरने से बचाने के लिए सहारा प्रदान करें।

\

आकस्मिक बाढ़ मार्गदर्शन:

<table>
<tr>
<td>25-06-2025 को 1130 IST तक आकस्मिक बाढ़ जोखिम (एफएफआर) के लिए 24 घंटे का आउटलुक:

अगले 24 घंटों के दौरान निम्नलिखित मौसम उप-मंडलों के कुछ जलक्षेत्रों और पड़ोस में कम से मध्यम अचानक बाढ़ का खतरा होने की संभावना है।

अरुणाचल प्रदेश - चांगलांग, दिबांग घाटी, पूर्वी कामेंग, निचला सुबनसिरी, पापुम-पारे, तिराप, पश्चिम कामेंग, अंजॉ और कुरुंग कुमेय जिले।
नागालैंड मिजोरम मणिपुर त्रिपुरा (
एनएमएमटी)-
मणिपुर- बिष्णुपुर, चंदेल, चुराचांदपुर, इम्फाल पश्चिम, सेनापति, तमेंगलोंग, उखरुल,
मिजोरम- आइजोल, चम्फाई, सैहा, सेरछिप,
नागालैंड- दीमापुर, किफिरे, कोहिमा, मोन, पेरेन, फेक, तुएनसांग और जुन्हेबोटो जिले।

अगले 24 घंटों में अपेक्षित वर्षा के कारण मानचित्र में दिखाए अनुसार चिंता के क्षेत्र (एओसी) में कुछ पूरी तरह से संतृप्त मिट्टी और निचले इलाकों में सतही अपवाह/जलप्लावन हो सकता है।</td>
<td>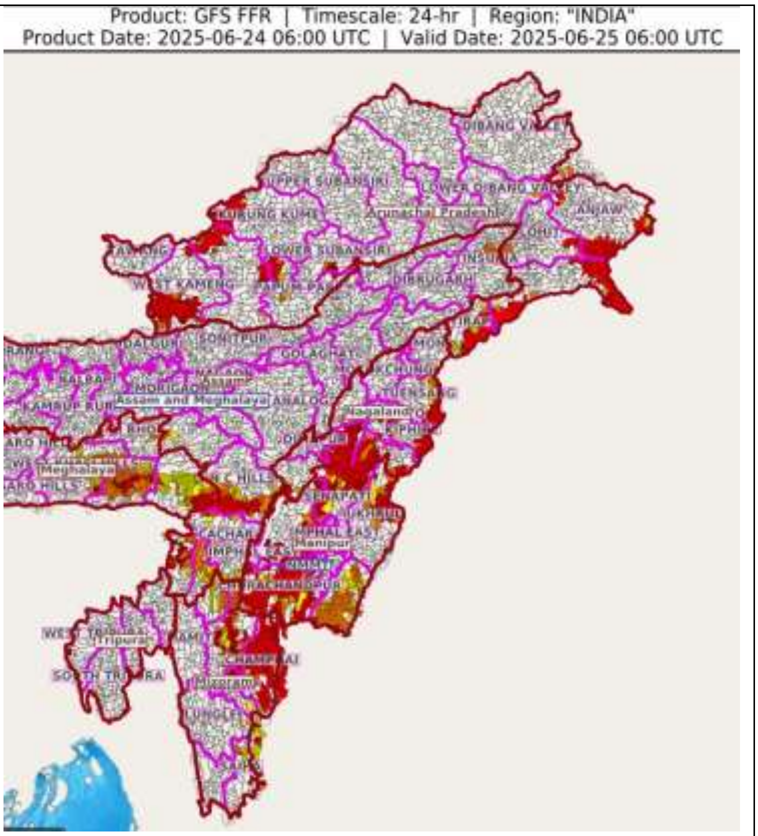
</td>
</tr>
<tr>
<td>25-06-2025 के 1130 IST तक फ्लैश फ्लड रिस्क (FFR) के लिए 24 घंटे का पूर्वानुमान:

अगले 24 घंटों के दौरान निम्नलिखित मौसम उप-विभागों के कुछ जलग्रहण क्षेत्रों और पड़ोस में कम से मध्यम फ्लैश फ्लड का जोखिम होने की संभावना है।

उत्तराखंड - बागेश्वर, चमोली, चंपावत, देहरादून, नैनीताल, पौड़ी गढ़वाल, पिथौरागढ़ और टिहरी गढ़वाल जिले।

अगले 24 घंटों में अपेक्षित वर्षा की वजह से मानचित्र में दिखाए गए अनुसार चिंता के क्षेत्र (AoC) में कुछ पूरी तरह से संतृप्त मिट्टी और निचले इलाकों में सतही अपवाह/जलप्लावन हो सकता है।</td>
<td>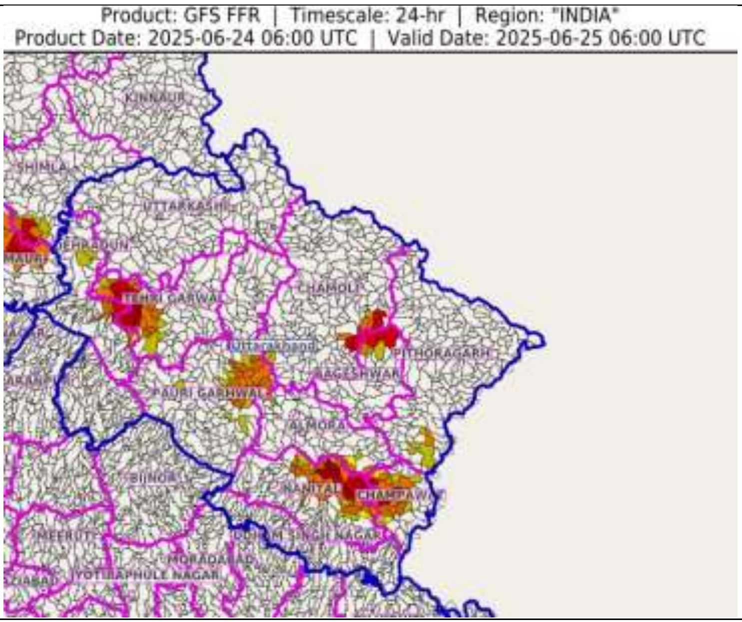
</td>
</tr>
</table>

किंवदंतियाँ एवं संक्षिप्ताक्षर:

- भारी वर्षा: 64.5-115.5 मिमी; बहुत भारी वर्षा: 115.6-204.4 मिमी; अत्यधिक भारी वर्षा: >204.4 मिमी।

मौसम विज्ञान उप-विभागों का क्षेत्रवार वर्गीकरण:

- उत्तर-पश्चिम भारत: पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुजफ्फराबाद, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड); पंजाब, हरियाणा-चंडीगढ़-दिल्ली; पश्चिमी उत्तर प्रदेश, पूर्वी उत्तर प्रदेश, पश्चिमी राजस्थान और पूर्वी राजस्थान।
- मध्य भारत: पश्चिमी मध्य प्रदेश, पूर्वी मध्य प्रदेश, विदर्भ और छत्तीसगढ़।
- पूर्वी भारत: बिहार, झारखंड, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम; गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल, ओडिशा और अंडमान और निकोबार द्वीप समूह।
- पूर्वोत्तर भारत: अरुणाचल प्रदेश, असम और मेघालय और नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा।
- पश्चिम भारत: गुजरात क्षेत्र, सौराष्ट्र और कच्छ, कोंकण और गोवा, मध्य महाराष्ट्र और मराठावाड़ा।
- दक्षिण भारत: तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, तेलंगाना, रायलसीमा, तटीय कर्नाटक, उत्तर आंतरिक कर्नाटक, दक्षिण आंतरिक कर्नाटक, केरल और माहे, तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल और लक्षद्वीप।

राष्ट्रीय मौसम पूर्वानुमान केन्द्र
भारत मौसम विज्ञान विभाग
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय

National Weather Forecasting Centre
India Meteorological Department
Ministry of Earth Sciences

LEGENDS

1. अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह
2. अरुणाचल प्रदेश
3. असम और मेघालय
4. नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा
5. उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम
6. गंगीय पश्चिम बंगाल
7. ओडिशा
8. झारखंड
9. बिहार
10. पूर्वी उत्तर प्रदेश
11. पश्चिम उत्तर प्रदेश
12. उत्तराखंड
13. हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली
14. पंजाब
15. हिमाचल प्रदेश
16. जम्मू और कश्मीर और लद्दाख
17. पश्चिम राजस्थान
18. पूर्वी राजस्थान
19. पश्चिम मध्य प्रदेश
20. पूर्वी मध्य प्रदेश
21. गुजरात
22. सौराष्ट्र
23. कोंकण और गोवा
24. मध्य महाराष्ट्र
25. मराठवाड़ा
26. विदर्भ
27. छत्तीसगढ़
28. तटीय आंध्र प्रदेश और यनम
29. तेलंगाना
30. रायलसीमा
31. तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल
32. तटीय कर्नाटक
33. आतंरिक उत्तरी कर्नाटक
34. आतंरिक दक्षिणी कर्नाटक
35. केरल और माहे
36. लक्षद्वीप

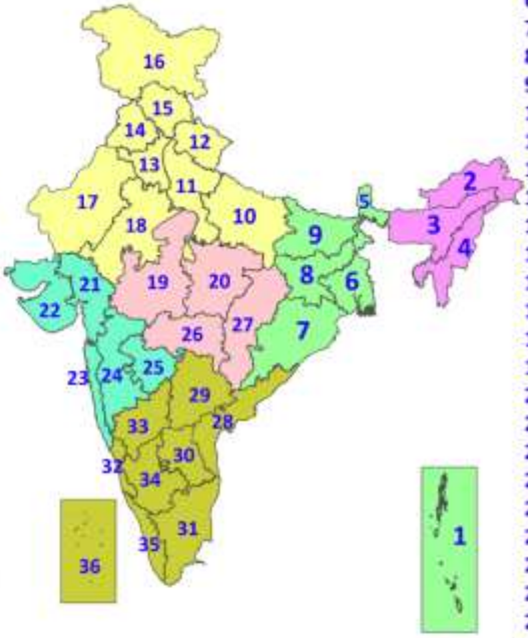

1. Andaman & Nicobar Islands
2. Arunachal Pradesh
3. Assam & Meghalaya
4. Nagaland, Manipur, Mizoram & Tripura
5. Sub-Himalayan West Bengal & Sikkim
6. Gangetic West Bengal
7. Odisha
8. Jharkhand
9. Bihar
10. East Uttar Pradesh
11. West Uttar Pradesh
12. Uttarakhand
13. Haryana, Chandigarh & Delhi
14. Punjab
15. Himachal Pradesh
16. Jammu & Kashmir and Ladakh
17. West Rajasthan
18. East Rajasthan
19. West Madhya Pradesh
20. East Madhya Pradesh
21. Gujarat
22. Saurashtra
23. Konkan & Goa
24. Madhya Maharashtra
25. Marathwada
26. Vidarbha
27. Chhattisgarh
28. Coastal Andhra Pradesh & Yanam
29. Telangana
30. Rayalaseema
31. Tamilnadu, Puducherry & Karaikal
32. Coastal Karnataka
33. North Interior Karnataka
34. South Interior Karnataka
35. Kerala & Mahe
36. Lakshadweep

SPATIAL DISTRIBUTION (% of Stations reporting)

% Stations	Category	% Stations	Category
76-100	Widespread (WS/Most Places)	26-50	Scattered (SCT/A Few Places)
51-75	Fairly Widespread (FWS/Many Places)	1-25	Isolated (ISOL)

- Fog
- Heavy Rain
- Very Heavy Rain
- Extremely Heavy Rain
- Thunder & Lightning
- Hailstorm
- Dust Raising Winds
- Heavy Snow
- Dust Storm
- Heat Wave
- Warm Night
- Hot Day
- Hot & Humid
- Strong Surface Winds
- Cold Wave
- Cold Day
- Ground Frost

COLOUR CODED WARNING

- No Warning (No Action)
- Watch (Be Aware)
- Alert (Be Prepared To Take Action)
- Warning (Take Action)

Probabilistic Forecast

Terms	Probability of Occurrence (%)
Unlikely	< 25
Likely	25 - 50
Very Likely	50 - 75
Most Likely	> 75

* Red colour warning does not mean "Red Alert", Red colour warning means "Take Action".
Forecast and Warning for any day is valid from 0830 hours IST of day till 0830 hours IST of next day.
For more details, kindly visit https://mausam.imd.gov.in or contact: 011-2434-4599
(Service to the Nation since 1875)